

## संपादकीय

### अगड़ी-पिछड़ी समरसता खिचड़ी

आज तोताराम यथासमय आया जैसे चुनावों की घोषणा होते ही भावी उम्मीदवार डलाके की जनता को इस-उस त्योहार की बाधाइयां देने लगते हैं या कार्यकाल-समाप्ति से पहले भक्त जन मिक्र मुद्दा सुलगा देते हैं। तोताराम ने बरामदे में से ही आवाज लगाई-मास्टर, अभी तो चुनाव जीते एक महीना भी नहीं हुआ और तू जीते हुए नेताओं की तरह घर में घुस गया। हमने कहा-हम खिचड़ी पका रहे हैं।

बोला-इस देश में सब अपनी-अपनी खिचड़ी ही पकाने में लगे हुए हैं। इमरजेंसी में कुछ दिनों जेल में साथ रहकर नेताओं को एकता की ज़रूरत अनुभव हुई। उन्हें लगा कि खिचड़ी पकाई जा सकती है। फरवरी 1977 में रामलीला मैदान में 'लोकतांत्रिक खिचड़ी' की हड्डियां चढ़ा दी गई बांसों पर लेकिन पकड़े से पहले ही सब अपने-अपने चावल-दाल, हल्दी, नमक और हड्डिया ले भागे। हां, उसकी आई में कई हजार लोग, जिनमें उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्त्रीश्टीटर भी शामिल हैं, लोकतंत्र-सेनानी के नाम की पच्चीस हजार रुपया पेंशन पेल रहे हैं, जितनी हमें चालीस साल की नौकरी के बाद मिल रही है।

एक देशभक्त पार्टी ने पृष्ठभूमि में रहकर रामलीला मैदान में भ्रात्याकर के खिलाफ धरान दिया तो किसी ने यौगिक द्वारा अपनी कंपनी जमा ली तो कोई पोलिटिक्स में चला गया और अज्ञा हजारे अपने गांव रालेगा। लोकपाल वहीं के वहीं रामलीला की तरह अयोध्या के आउटर रिंगल पर। सो तेरी खिचड़ी का भी वहीं हाल होगा।

हमने कहा-हम कोई अपने स्वार्थ की व्यक्ति गत खिचड़ी थोड़ी ही पका रहे हैं? हम तो 'समरसता खिचड़ी' पका रहे हैं। बोला-मास्टर, यह तो प्रोफेशनल चोरी है। समरसता तो हमारा दर्शन है। हमीं तो सच्चे थार्मिक हैं। तुम तो धर्मनिरपेक्ष हो। तुम जो चाहो पकाओ लेकिन समरसता-खिचड़ी नहीं पका सकते।

हमने कहा-किसी की भी खिचड़ी नहीं पकड़े वाली। जब तक निहित स्वार्थों के बांसों पर ऊंची टंगी रहेगी तब तक प्रेम और भाईयारे की आंच वहां तक पहुंचेगी ही नहीं। हमने इस खिचड़ी में सभी धर्मों के दाल-दलिया-चावल डाले हैं, सभ्यता के सभी केसरिया-लाल-नीले-हरे रंग मिलाए हैं और बिना पार्टी के भेदभाव के सब आमित्रित हैं।

एक तरफ परहेज करते हों और दूसरी तरफ उन्हें यह खिचड़ी बांटने का नाटक। हमारे वाली तो जब बन जाएंगी तब बरामदे में बैठकर सब के साथ खाएंगे-खिलाएंगे। तभी पै आई और बोली-जब तक खिचड़ी पके, दाल गले तब तक तसली से चाय पीते-पीते और पकड़ी खाते-खाते अपने-अपने मंत्रालयों का बंटवारा तो कर लो। समरसता को असली खतरा तो बंटवारे के समय ही होता है।

### घर की इस दिशा में दीपक जलाने से मिलती है पितृदोष से मुक्ति

इन दिनों पितृ पक्ष चल रहा है और इन दिनों सबसे सरल उपाय बताने जा रहे हैं।



-वास्तु के अनुसार घर में लोग अपने पितृों की पूजा में लगे हैं। इन दिनों सभी अपने घर से अपने परिवार बातों के ऊपर से पितृ दोष हटाने के बारे में उपाय कर रहे हैं। घर की इस दिशा में दीपक जलाने से मिलती है पितृदोष से मुक्ति।

जाता है और सब कुछ अच्छा होने लगता है।

-इसी के साथ यदि पीने के पानी का स्थान उत्तर या उत्तर-पूर्व में भी है तो भी उसे उचित माना गया है और उस पर भी पितृ के निमित्त दीपक लगाने से पितृदोष का नाश होता है।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे से छोटे-छोटे गोले बनाकर पूरी की तरह पतला गोल बेल लें।

बाकी के आटे के साथ भी इसका बालू बनाकर करिनों को सील कर दें।

बाकी के आटे से छोटे-छोटे गोले बनाकर पूरी की तरह पतला गोल बेल लें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

बाकी के आटे के साथ भी इसी के बांसों को सील कर दें।

</div